भारत सरकार
जनजातीय कार्य मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5468
उत्तर देने की तारीख: 03.04.2025

महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन

5468. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवीः
क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में जनजातीय लोगों के आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने हेतु प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) के अंतर्गत अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा महाराष्ट्र के जनजातीय जिलों से महुआ के बीज और अन्य लघु वन उपज को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(घ) क्या सरकार ने पीएमजेवीएम के माध्यम से नन्दुरबार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के जनजातीय लोगों की आजीविका को बढ़ावा देने और सुकर बनाने के लिए कोई पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ख) "प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम)", योजना के तहत, जनजातीय कार्य मंत्रालय वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) स्थापित करने के लिए निधियां प्रदान करता है, जो मुख्य रूप से जनजातीय एसएचजी के समूह हैं, जिनका गठन लघुवनोपज (एमएफपी)/गैर- लघुवनोपज (एमएफपी) के मूल्य संवर्धन और विपणन के माध्यम से बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए किया गया है। महाराष्ट्र में 28.02.2025 तक, लगभग 79,500 लाभार्थियों को जोड़ने वाले 265 वीडीवीके की स्थापना के लिए 3,975 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

(ग) पीएमजेवीएम योजना के तहत, मंत्रालय राज्य सरकारों को महुआ के बीज सहित लघु वनोपज (एमएफपी) की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के लिए परिक्रामी निधियां (रिवॉल्विंग फंड) भी प्रदान करता है। जिन एमएफपी के लिए एमएसपी प्रदान किया जाता है उनकी सूची https://trifed.tribal.gov.in/sites/default/files/2022-02/List%20of%2087%20MFPs.pdf पर दी गई है।

(घ) अब तक, नंदुरबार जिले, महाराष्ट्र में 6 वीडीवीके की स्थापना के लिए 90.00 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे 1800 लाभार्थी जुड़े हैं। इसके अलावा, पीएमजेवीएम के तहत, जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए जनजातीय कारीगरों को सूचीबद्ध करता है और उनसे विभिन्न जनजातीय उत्पादों की खरीद करता है एवं ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और आदि महोत्सव, आदि बाजार आदि जैसी प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय उत्पादों का खुदरा विपणन भी करता है। अब तक, महाराष्ट्र के नंदुरबार से एसएचजी और वीडीवीके सहित 2 जनजातीय आपूर्तिकर्ता/उत्पादक ट्राइफेड के साथ सूचीबद्ध हैं।

*****